झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

झारखण्ड के सपोर्टीभ सुपरविजन प्रपत्र को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता।

शिमला में आयोजित नेशनल समिट ऑन बेस्ट प्रेक्टिसेज एंड इनोवेशन इन पब्लिक हेल्थ केयर सिस्टम में Strengthening RMNCH+A, Supportive Supervision in Jharkhand को गुड एंड Replicable प्रेक्टिसेज इन हेल्थ केयर सिस्टम के रूप में चयन तथा इसका मौखिक प्रदर्शन किया गया। सपोर्टीभ सुपरविजन एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने तथा उनके सेवाओं में सुधार करने का प्रयास किया जाता है। विगत वर्षो में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखण्ड द्वारा सपोर्टीभ सुपरविजन को सशक्त बनाने के लिए अनेक कदम उठाये गए है, जिसमें स्टेट रिव्यू मिशन टीम का गठन, जिला अनुश्रवण दल का गठन तथा रैपिड मॉडल ऑफ सपोर्टीभ सुपरविजन फॉर रूटीन इम्युनाईजेशन का क्रियांन्वयन शमिल हैं।

झारखण्ड देश का पहला राज्य है जिसने RMNCH+A को सशक्त करने के लिए, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग भारत सरकार के चेक लिस्ट को अपनाया है। इस चेक लिस्ट का निर्माण इस प्रकार किया गया है जिससे RMNCH+A के सभी मुख्य बिंदुओं से संबंधित डेटा को एकत्र कर विश्लेषित किया जा सकें तथा आवश्यकता अनुसार भविष्य के लिए योजना बनाई जा सकें एवं स्वास्थ्य सेवाओं में जिस प्रकार के सुधार की अवाश्यकता है उसी के अनुसार सुधार किया जा सकें। इस चेक लिस्ट में सभी वर्तमान सपोर्टीभ सुपरविजन के प्रपत्रों को शामिल किया गया है तथा इसके संबंध में सभी राज्य स्तरीय स्टेक होल्डर को आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया गया है। इसका उपयोग SRM Team के द्वारा अनुश्रवण के दौरान किया जा रहा है। तथा डेटा का विश्लेषित कर सेवाओं के खामियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस सपोर्टीभ सुपरविजन मॉडल को, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार की अध्यक्षता में, भुनेश्वर में आयोजित क्षेत्रिय RMNCH+A समिक्षा बैठक मे भी स्वीकार तथा प्रशंसीत किया गया था साथ ही अन्य राज्यों को इसे अपनाने का परामर्श दिया गया था। राज्य के सपोर्टीभ सुपरविजन मॉडल को देश के सभी 184 High Priority Districts में अपनाया गया है जहाँ संबंधित ऐजेंसियों द्वारा सपोर्टीभ सुपरविजन तथा डेटा विश्लेषन का कार्य शुरू किया गया है। इसके आधार पर RMNCH+A का एक राष्ट्रीय स्तर का डेटाबेस बनाया गया है।

पहले के अनुश्रवण प्रपत्रों के तुलना में वर्तमान सपोर्टीभ सुपरविजन प्रपत्र में डाटा का प्रबंधन तथा विश्लेषण आसानी से किया जा सकता है। इससे सभी प्रकार के स्वास्थ्य सेवाओं के खामियों को पहचान कर उसको ससमय दूर करने में आसानी होती है। यह डेटा बेस अनुश्रवण व्यवस्था झारखण्ड़ ही नही पुरे देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने में सक्षम है।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग